वार्षिक परीक्षा –2019–20 1718/A/900

कक्षा – 11

विषय – हिन्दी (प्रथम प्रश्न पत्र)

समय – 2½ घण्टे पूर्णांक – 45

नोट : कार्य स्वच्छतापूर्वक करें।

प्र01 निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्प चुनिये– 5

1. 'वोल्गा से गंगा' कहानी संग्रह के लेखक हैं –
   (क) राय कृष्ण दास (ख) जैनेन्द्र कुमार
   (ग) पूर्ण सिंह (घ) राहुल सांकृत्यायन
2. भारतुन्दु युग से पूर्व गद्य के लेखक हैं –
   (क) मुंशी सदासुखलाल (ख) रामचंद्र शुक्ल
   (ग) बालकृष्ण भट्ट (घ) महादेवी वर्मा
3. हरखू पात्र किस कहानी से सम्बन्धित है –
   (क) बलिदान (ख) आकाश दीप
   (ग) प्रायश्चित (घ) समय
4. गेहूं बनाम गुलाब निबन्ध के लेखक हैं –
   (क) रामवृक्ष बेनीपुरी (ख) हजारी प्रसाद द्विवेदी
   (ग) भारतेन्दु हरिश्चंद्र (घ) मोहन राकेश
5. कवि–वचन–सुधा पत्रिका के सम्पादक हैं –
   (क) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र (ख) महावीर प्रसाद द्विवेदी
   (ग) प्रेमचंद (घ) बालकृष्ण भट्ट

प्र02 निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्प चुनिये– 5

1. वीरगाथा काल की विशेषता है –
   (क) नारी का रूप सौन्दर्य का चित्रण (ख) प्रकृति चित्रण
   (ग) युद्धों का सजीव चित्रण (घ) मुक्तक
2. 'रूनकता' नामक स्थान किस कवि से सम्बन्धित है –
   (क) जयशंकर प्रसाद से (ख) कबीर से
   (ग) सूरदास से (घ) तुलसीदास से
3. गोस्वामी तुलसीदास के बचपन का नाम था–
   (क) तुकाराम (ख) आत्माराम
   (ग) सीताराम (घ) रामबोला

4. कबीर के दोहों को नाम से जाना जाता है –
   (क) दूहा (ख) सबद
   (ग) सारवी (घ) पद
5. वीरगाथा काल का एक अन्य नाम है –
   (क) स्वर्ण युग (ख) सिद्ध सामन्य काल
   (ग) श्रृंगार काल (घ) भक्तिकाल

प्र03 निम्नलिखित अवतरणों में से किसी एक की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए– 7

क. मैं मानता हूं, पुस्तकें भी कुछ–कुछ घुमक्कड़ी का रस प्रदान करती हैं, लेकिन न जिस तरह फोटो देखकर आप हिमालय के देवदार के सौन्दर्य, उनके रूप, उनकी गन्ध का अनुभव नहीं कर सकते उसी तरह यात्रा–कथाओं से आपको उस बूंद से भेंट नहीं हो सकती जो कि एक घुमक्कड़ को प्राप्त होती है।

ख. हमारे हिन्दुस्तानी लोग तो रेल की गाड़ी हैं। यद्यपि फस्ट क्लास सेकेण्ड क्लास आदि गाड़ी बहुत अच्छी–अच्छी और बड़े महसूल की इस ट्रेन में लगी हैं पर बिना इंजन सब नहीं चल सकतीं, वैसे ही हिन्दुस्तानी लोगां को कोई चलाने वाला हो तो ये क्या नहीं कर सकते।

प्र04 निम्नलिखित पद्यांशों में से किसी एक की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए– 7

क. साजि चतुरंग सैन अंग में उमंग धारि,
सरजा शिवाजी जंग जीतन चलत है।
भूषन भनत नाद बिहद नगारन के,
नदी नद मद गैबरन के रलत हैं।

ख. जब मैं था तब हरि नहीं, अब हरि हैं मैं नाहि
सब अंधियारा मिटि गया, तब दीपक देख्या माहिं।।
सतगुरू की महिमा अनंत, अनंत किया उपकार।
लोचन अनंत उघाड़िया, अनंत दिखावणहार।। २।

प्र05 निम्न पद्य सूक्तियों में से किसी एक सूक्ति की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए– 3

1. कमल–नैन को छांड़ि महातम और देव कौ ध्यावैं।
2. भरतहिं होइ न राजमदु, विधि हरिहर पद पाइ।
3. धारा पर पारा पारावार यों हलत है।

प्र06 निम्न गद्य सूक्तियों में से किसी एक सूक्ति की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए– 3

1. सूर्यदेव की उदारता और न्यायशीलता तारीफ के लायक है।
2. आचरण भी हिमालय की तरह एक ऊँचे कलश बालामन्दिर है।
3. समुन्दर के खारे पानी और हिन्दू धर्म में बड़ा बैर है।

प्र07 निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का जीवन परिचय देते हुए रचनाओं का उल्लेख कीजिए– 3

भारतेन्दु हरिश्चंद्र, सरदार पूर्ण सिंह, राहुल सांकृत्यायन, रामवृक्ष बेनीपुरी

प्र08 निम्नलिखित में से किसी एक कवि का जीवन परिचय देते हुए रचनाओं का उल्लेख कीजिए – 3

तुलसीदास, कबीरदास, महाकवि भूषण, जगन्नाथदास 'रत्नाकर' 1902

प्र09 समय अथवा प्रायश्चित कहानी का सारांश लिखिये। 3 1968

अथवा

बलिदान कहानी का उद्देश्य लिखिये।

प्र010 कुहासा और किरण नाटक के प्रथम अंक का सारांश अपने शब्दों में लिखिये। 3

अथवा

कुहासा और किरण नाटक के आधार पर सुनन्दा का चरित्र–चित्रण कीजिए।

प्र011 श्रवण कुमार खण्ड काव्य के सप्तम सर्ग (आखेट) का सारांश लिखिये। 3

अथवा

श्रवण कुमार खण्ड काव्य के आधार पर श्रवण कुमार का चरित्र–चित्रण कीजिए।

https://www.evidyarthi.in/